



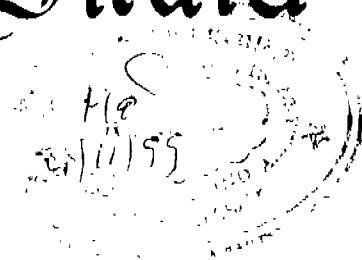
भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-Section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 248]
No. 248]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 19, 1999/वैशाख 29, 1921
NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 19, 1999/VAISAKHA 29, 1921

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 मई, 1999

सं. 65/99-सीमाशुल्क

सा. का. नि. 369(अ).—केन्द्रीय सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकाहित में ऐसा करना आवश्यक है, निदेश देता है कि इसमें उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की प्रत्येक अधिसूचना का, उक्त सारणी के स्तम्भ (3) की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट रीति से, यथास्थिति, संशोधन या और संशोधन किया जाएगा।

सारणी

क्रम सं.	अधिसूचना सं. और तारीख	संशोधन
(1)	(2)	(3)
1.	138/91-सीमाशुल्क तारीख 22 अक्टूबर, 1991	उक्त अधिसूचना में,— (क) आरम्भिक पैरा में, "के विकास के प्रयोजन के लिए भारत में आयात किया जाए" शब्दों के स्थान पर "के 1991 विकास के प्रयोजन के लिए भारत में आयात किया जाए या उक्त सीमाशुल्क अधिनियम की धारा 57 या धारा 58 के अधीन, यथास्थिति, नियत या अनुज्ञप्त किसी पब्लिक भाण्डागार या किसी प्राइवेट भाण्डागार से उपाप्त किया जाए" रखा जाएगा, (ख) शर्त (7) में, "तथा मांगे जाने पर ऐसे माल पर" शब्दों से आरम्भ होने वाले और "रकम संदत्त करने के लिए बाध्य करता है" शब्दों से समाप्त होने वाले भाग के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

(1)

(2)

(3)

“तथा मांगे जाने पर माल पर उद्ग्रहणीय शुल्क और उक्त मालों के आयात करने या उपापन की तारीख से ऐसे शुल्क के संदाय की तारीख तक बीस प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज के बराबर रकम का संदाय करने के लिए बाध्य करता है, यदि—

(i) पूंजीगत मालों की दशा में सहायक सीमाशुल्क आयुक्त के समाधान प्रद रूप से यह साबित नहीं किया गया है कि ऐसे मालों का, उनके आयात करने या उपापन करने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर जो पांच वर्ष से अधिक नहीं होगी, जिसे सहायक सीमाशुल्क आयुक्त, यह समाधान हो जाने पर कि उक्त अवधि के भीतर उनका उपरोक्त रूप से उपभोग न करने के लिए पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करें, बन्धित परिमरों के भीतर प्रतिष्ठापित या अन्वया उपभोग या पुनः निर्यात किया गया है ;

(ii) पूंजीगत मालों से भिन्न मालों की दशा में, सहायक सीमाशुल्क आयुक्त के समाधान प्रद रूप से यह साबित नहीं किया गया है कि ऐसे मालों का, उनके आयात करने या उपापन करने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर जो सहायक सीमाशुल्क आयुक्त, यह समाधान हो जाने पर कि उनका उपयुक्त रूप से उपयोग न करने के लिए पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे, भारत से बाहर निर्यात के लिए मालों के उत्पादन या पैकेजिंग के संबंध में उपयोग या पुनः निर्यात या घरेलू उपभोग के लिए निकासी की गई है ;

(iii) उस दशा में जहां—

(क) उत्पादित या पैकेज किए गए माल, ऐसे मालों का भारत से बाहर निर्यात, और

(ख) अप्रयुक्त माल (इसके अन्तर्गत बार बार उपयोग के लिए उपयुक्त आधार आते हैं) जिनका निर्यात या घरेलू उपभोग के लिए निकासी, ऐसे मालों के आयात करने या उपापन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर जो सहायक सीमाशुल्क आयुक्त यह समाधान हो जाने पर कि उक्त अवधि के भीतर ऐसे मालों के निर्यात न करने के लिए पर्याप्त कारण हैं, अनुज्ञात करे, नहीं की गई है ;

(iv) ऐसी कच्ची सामग्री, संघटक, फालतू पुर्जे और खपने योग्य सामग्री (पूंजीगत मालों से भिन्न) जिनका आयात या उपापन निःशुल्क किया गया है, एकक, उक्त निर्यात और आयात नीति के उपाबंध 1 में विनिर्दिष्ट निर्यात (एन एफ ई पी) और निर्यात संपादन (ई पी) के प्रतिशत के रूप में शुद्ध विदेशी मुद्रा उपापन करने में ऐसे मालों के आयात करने या उपापन से एक वर्ष के भीतर या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर जो एक वर्ष से अधिक नहीं होगी जो सहायक सीमाशुल्क आयुक्त, द्वारा यह समाधान हो जाने पर कि पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे, असफल रहता है :

परन्तु सीमाशुल्क आयुक्त निर्यात (एन एफ ई पी) या निर्यात संपादन (ई पी) के प्रतिशत के रूप में शुद्ध विदेशी मुद्रा के उपलब्धि के लिए आयात करने या उपापन की तारीख से पांच वर्ष से अनधिक की अवधि के लिए और अवधि का विस्तार कर सकेगा ;”

2. 140.91-सीमाशुल्क, तारीख

22 अक्तूबर, 1991

उक्त अधिसूचना में,—

(क) आरम्भिक पैरा में, “के विकास के प्रयोजन के लिए भारत में आयात किया जाए” शब्दों के स्थान पर “के विकास के प्रयोजन के लिए भारत में आयात किया जाए या उक्त सीमाशुल्क अधिनियम की धारा 57 या धारा 58 के अधीन, यथास्थिति, नियत या अनुज्ञात किसी पब्लिक भाण्डागार या किसी प्राइवेट भाण्डागार से उपापन किया जाए” रखा जाएगा,

(ख) शर्त (7) में, “तथा मांगे जाने पर ऐसे माल पर” शब्दों से आरम्भ होने वाले और “रकम संदत्त करने के लिए बाध्य करता है” शब्दों से समाप्त होने वाले भाग के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“तथा मांगे जाने पर माल पर उद्ग्रहणीय शुल्क और उक्त मालों के आयात करने या उपापन की तारीख से ऐसे शुल्क के संदाय की तारीख तक बीस प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज के बराबर रकम का संदाय करने के लिए बाध्य करता है, यदि—

(i) पूंजीगत मालों की दशा में सहायक सीमाशुल्क आयुक्त के समाधान प्रद रूप से यह साबित नहीं किया गया है कि ऐसे मालों का, उनके आयात करने या उपापन करने की तारीख से एक वर्ष की

(1)

(2)

(3)

अवधि के भीतर या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर जो पांच वर्ष से अधिक नहीं होगी, जिसे सहायक सीमाशुल्क आयुक्त, यह समाधान हो जाने पर कि उक्त अवधि के भीतर उनका उपरोक्त रूप से उपयोग न करने के लिए पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे, बन्धित परिमरों के भीतर प्रतिष्ठापित या अन्यथा उपयोग या पुनः निर्यात किया गया है;

(ii) पूंजीगत मालों से भिन्न मालों की दशा में, सहायक सीमाशुल्क आयुक्त के समाधानप्रद रूप से यह साबित नहीं किया गया है कि ऐसे मालों का, उनके आयात करने या उपाप्त करने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर जो सीमाशुल्क सहायक आयुक्त, यह समाधान हो जाने पर कि उनका उपयुक्त रूप से उपयोग न करने के लिए पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे, भारत के बाहर निर्यात के लिए मालों के उत्पादन या पैकेजिंग के संबंध में उपयोग या पुनः निर्यात या घरेलू उपयोग के लिए निकासी की गई है;

(iii) उस दशा में जहां—

(क) उत्पादित या पैकेज किए गए माल, ऐसे मालों का भारत से बाहर निर्यात, और

(ख) अप्रयुक्त माल (इसके अन्तर्गत बार-बार उपयोग के लिए उपयुक्त आधान आते हैं) जिनका निर्यात या घरेलू उपयोग के लिए निकासी,

ऐसे मालों के आयात करने या उपायन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर जो सहायक सीमाशुल्क आयुक्त यह समाधान हो जाने पर कि उक्त अवधि के भीतर ऐसे मालों के निर्यात न करने के लिए पर्याप्त कारण हैं, अनुज्ञात करे, नहीं की गई है;

(i) ऐसी कच्ची सामग्री, संघटक, फालतू पुर्जें और खपने योग्य सामग्री (पूंजीगत मालों से भिन्न) जिनका आयात या उपायन निःशुल्क किया गया है, एकक, उक्त निर्यात और आयात नीति के उपाबंध 1 में विनिर्दिष्ट निर्यात (एन एफ ई पी) और निर्यात मंपादन (ई पी) के प्रतिशत के रूप में शुद्ध विदेशी मुद्रा उपार्जित करने में, ऐसे मालों के आयात करने या उपायन से एक वर्ष के भीतर या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर जो एक वर्ष से अधिक नहीं होगी, जो सहायक सीमाशुल्क आयुक्त यह समाधान हो जाने पर कि पर्याप्त कारण है अनुज्ञात करे, असफल रहता है:

परन्तु कि सीमाशुल्क आयुक्त, निर्यात (एन एफ ई पी) या निर्यात मंपादन (ई पी) के प्रतिशत के रूप में शुद्ध विदेशी मुद्रा की उपलब्धि के लिए आयात करने या उपायन की तारीख से पांच वर्ष से अधिक की अवधि के लिए और अवधि का विस्तार कर सकेगा।

3. 95-93-सीमाशुल्क

तारीख 2 मार्च, 1993

उक्त अधिसूचना में,—

(क) आरम्भिक पैरा में, “विनिर्माण और विकास के प्रयोजनों के लिए भारत में आयात किया जाए” शब्दों के स्थान पर “विनिर्माण और विकास के प्रयोजनों के लिए भारत में आयात किया जाए या उक्त सीमाशुल्क अधिनियम की धारा 57 या धारा 58 के अधीन यथास्थिति, नियत या अनुज्ञात किसी पब्लिक भाण्डागार या किसी प्राइवेट भाण्डागार से उपाप्त किया जाए” रखा जाएगा;

(ख) शर्त (8) में, “तथा मांगे जाने पर ऐसे माल पर” शब्दों से आरम्भ होने वाले और “रकम संदत्त करने के लिए बाध्य करता है” शब्दों से समाप्त होने वाले भाग के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“तथा मांगे जाने पर माल पर उद्ग्रहणीय शुल्क और उक्त मालों के निःशुल्क आयात करने या उपायन की तारीख से ऐसे शुल्क के संदाय की तारीख तक बीस प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज के बराबर रकम का संदाय करने के लिए बाध्य करता है, यदि—

(i) पूंजीगत मालों की दशा में सहायक सीमाशुल्क आयुक्त के समाधानप्रद रूप से यह साबित नहीं किया गया है कि ऐसे मालों की, उनके आयात करने या उपाप्त करने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर जो पांच वर्ष से अधिक नहीं होगी, जिसे सहायक सीमाशुल्क आयुक्त, यह समाधान हो जाने पर कि उक्त अवधि के भीतर उपरोक्त रूप से उपभोग न करने के लिए पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करें, बन्धित परिमरों के भीतर प्रतिष्ठापित या अन्यथा उपभोग या पुनः निर्यात किया गया है ;

(1)

(2)

(3)

(ii) पूंजीगत मालों से भिन्न मालों की दशा में, सहायक सीमाशुल्क आयुक्त के समाधानप्रद रूप से यह साबित नहीं किया गया है कि ऐसे मालों का, उनके आयात करने या उपाप्त करने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर जो सहायक सीमाशुल्क आयुक्त, यह समाधान हो जाने पर कि उनका उपयुक्त रूप से उपयोग न करने के लिए पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे, भारत से बाहर निर्यात के लिए मालों के उत्पादन या पैकेजिंग के संबंध में उपयोग या पुनः निर्यात किया गया है;

(iii) उस दशा में जहां—

(क) उत्पादित या पैकेज किए गए माल, ऐसे मालों का भारत से बाहर निर्यात, और

(ख) अप्रयुक्त माल (इसके अन्तर्गत बार बार उपयोग के लिए उपयुक्त आधार आते हैं) जिनका निर्यात या घरेलू उपयोग के लिए निकामी, ऐसे मालों के आयात करने या उपायन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर जो सहायक सीमाशुल्क आयुक्त यह समाधान हो जाने पर कि उक्त अवधि के भीतर ऐसे मालों के निर्यात न करने के लिए पर्याप्त कारण हैं, अनुज्ञात करे, नहीं किया गया है;

(iv) ऐसी कच्ची सामग्री, संघटक, फालतू पुर्जे और खपने योग्य सामग्री (पूंजीगत मामलों से भिन्न) जिनका आयात या उपायन निःशुल्क किया गया है, एकक, उक्त निर्यात और आयात नीति के उपाबंध 1 में विनिर्दिष्ट निर्यात (एन एफ ई पी) और निर्यात संपादन (ई पी) के प्रतिशत के रूप में शुद्ध विदेशी मुद्रा उपार्जन को उपलब्ध करने में, ऐसे मालों के आयात करने या उपायन से एक वर्ष के भीतर या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर जो एक वर्ष से अधिक नहीं होगी, जो सहायक सीमाशुल्क आयुक्त यह समाधान हो जाने पर कि पर्याप्त कारण है अनुज्ञात करे, असफल रहता है:

परन्तु सीमाशुल्क आयुक्त, निर्यात (एन एफ ई पी) या निर्यात संपादन (ई पी) के प्रतिशत के रूप में शुद्ध विदेशी मुद्रा को उपलब्ध के लिए आयात करने या उपायन की तारीख से पांच वर्ष से अधिक की अवधि के लिए और अवधि का विस्तार कर सकेगा।

(ग) शर्त (11) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी अर्थात्, :—

“(11) सहायक सीमाशुल्क आयुक्त, ऐसी शर्तें और परिसीमाओं जो निर्यात और आयात नीति में अनुबद्ध की जाएं और वे जो उसके द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट की जाएं, के अधीन रहते हुए, एकक द्वारा आयात किए गए या उपाप्त किए गए मालों को या उससे आंशिक रूप से प्रसंस्कृत या विनिर्मित या पैकेज किए गए मालों को परीक्षण, मरम्मत, परिष्करण, प्रसंस्करण, संप्रदर्शन, छुटपुट काम या कोई अन्य प्रक्रिया, जो अन्तिम उत्पादों के विनिर्माण के लिए आवश्यक हो, के प्रयोजनों के लिए और जो उसके पश्चात् उक्त एकक को वापस किया जाना हो, शुल्क के बिना मंदाय के एकक से बाहर भेजा जाने के लिए या छुटपुट काम करने वालों परिसरों में निर्यात के लिए बंधपत्र के अधीन शुल्क के संदाय के बिना उसे हटाने के लिए अनुज्ञात कर सकेगा :

परन्तुक यह कि छुटपुट काम करने वालों के परिसरों पर ऐसी प्रक्रिया के दौरान उत्पादित अवशिष्ट या स्क्रैप या अवशेषों को या तो एकक को वापस किया जाता है या शुल्क के संदाय पर ऐसे निकासी की जाती है मानों कि उक्त अपशिष्ट या स्क्रैप या अवशेषों की निकासी उक्त एकक द्वारा की गई हो;”।

(घ) शर्त (15) में, परन्तुक के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(ग) ऐसे माल को जिनका आयात किए जाने पर या उपाप्त किए जाने पर उपयोग एकक के भीतर इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर या साफ्टवेयर के विनिर्माण या विकास में किया जाता है, और ऐसा हार्डवेयर या साफ्टवेयर का, चाहे उसे भारत से बाहर निर्यात न भी किया जाए, शुल्क के बिना संदाय के भारत सरकार के वित्त मंत्रालय की अधिसूचना सं. 26/98-के उ.शु. (एन टी) तारीख 15 जुलाई, 1998 के अधीन नियत या रजिस्ट्रीकृत भाण्डागारों को निकासी के लिए या निर्यात और आयात नीति के पैरा 9.10 के खण्ड (ड) में निर्दिष्ट अनुज्ञापित धारकों को निकासी किए जाने के लिए अनुज्ञात किया जाता है;”।

(1)	(2)	(3)
	(ङ) सारणी में,—	
	(i) क्रम सं. 12 और 12क के सामने, स्तम्भ (2) में "और ऐसे संयंत्रों तथा सैटों के लिए पुर्जे, ईंधन, स्नेहक और अन्य उपयोग्य वस्तुएं" शब्दों का लोप किया जाएगा;	
	(ii) क्रम सं. 12क और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—	

(1)	(2)
"12ख.	ऊपर क्रम संख्यांक 12 और 12क के मालों के लिए पुर्जे, ईंधन, स्नेहक और उपयोग्य वस्तुएं जो सहायक सीमाशुल्क या केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आयुक्त द्वारा अनुमोदित की जाएं"।

4. 96/93-सीमाशुल्क,
तारीख 2 मार्च, 1993

4. उक्त अधिसूचना में,—

(क) प्रारंभिक पैरा में, "विनिर्माण और विकास के प्रयोजनों के लिए भारत में आयात किया जाए" शब्दों के स्थान पर "विनिर्माण और विकास के प्रयोजनों के लिए भारत में आयात किया जाए या उक्त सीमाशुल्क अधिनियम की, यथास्थिति, धारा 57 या धारा 58 के अधीन नियुक्त या अनुज्ञप्त लोक भांडागार या किसी निजी भांडागार से उपाप्त किया जाए" शब्द रखे जाएंगे;

(ख) शर्त 8 में, "ऐसे माल पर" शब्दों से आरंभ होने वाले और "बाध्य करता है" से समाप्त होने वाले अंश के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

"ऐसे माल पर उद्ग्रहणीय शुल्क के बराबर रकम और उक्त शुल्क पर शुल्क मुक्त आयात या उक्त माल की उपाप्ति की तारीख से उक्त शुल्क के संदाय की तारीख तक 20 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज का संदाय करेगा, यदि

(i) पूंजी माल की दशा में, जिसकी बाबत सहायक सीमाशुल्क आयुक्त के समाधानप्रद रूप में बंधित परिसरों में उसका संस्थापन किया जाना या अन्यथा उपयोग किया जाना अथवा उसका आयात या उपाप्ति की तारीख से एक वर्ष की अवधि या अनुज्ञात की गई पांच वर्ष से अनधिक उतनी अधिक अवधि जो सहायक सीमाशुल्क आयुक्त अपना यह समाधान होने पर कि उक्त अवधि के भीतर उनका यथा उपयुक्त उपयोग न किए जाने के लिए पर्याप्त कारण थे, तक उनका पुनः निर्यात किया जाना साबित नहीं किया जा सके;

(ii) पूंजी माल से अन्यथा माल की दशा में, सहायक सीमाशुल्क आयुक्त के समाधानप्रद रूप में भारत से बाहर निर्यात या आयात अथवा उसकी उपाप्ति की तारीख से एक वर्ष की अवधि या अनुज्ञात की गई उतनी अतिरिक्त अवधि के भीतर जो सीमाशुल्क आयुक्त द्वारा यह समाधान हो जाने पर कि उनका उपयोग न किए जाने के लिए पर्याप्त कारण थे, उनका पुनः निर्यात किया जाना साबित न किया जा सके;

(iii) (क) उत्पादित या पैकेज किए गए माल की दशा में, उक्त माल को निम्नलिखित अवधि के भीतर भारत से बाहर निर्यात नहीं किया गया है, और

(ख) अनुपयुक्त माल (बारंबार उपयोग के लिए आधार सहित) जिसे निम्नलिखित अवधि के भीतर निर्यात नहीं किया गया है,

आयात अथवा उसकी उपाप्ति की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर अथवा सहायक सीमाशुल्क आयुक्त द्वारा यह समाधान हो जाने पर कि उक्त माल का उक्त अवधि के भीतर निर्यात न किए जाने के लिए पर्याप्त कारण थे अनुज्ञात की गई अतिरिक्त अवधि के भीतर :

(iv) शुल्क मुक्त आयात या उपाप्ति की गई कच्ची सामग्री, संघटकों, पुर्जों या उपयोग्य वस्तुओं (पूंजी माल से भिन्न) की दशा में, उक्त एकक उक्त माल के आयात या उपाप्ति के एक वर्ष के भीतर अथवा सहायक सीमाशुल्क आयुक्त द्वारा यह समाधान हो जाने पर कि उसके लिए पर्याप्त कारण थे, अनुज्ञात की गई एक वर्ष से अनधिक अतिरिक्त अवधि के भीतर निर्यात की प्रतिशतता के रूप में शुद्ध विदेशी मुद्रा उपापार्जन

(1)

(2)

(3)

करने में और आयात और निर्यात नीति के परिशिष्ट 1 में यथा विनिर्दिष्ट निर्यात करने में असफल रहा है :

परंतु सीमाशुल्क आयुक्त निर्यात की प्रतिशतता के रूप को शुद्ध विदेशी मुद्रा या निर्यात निष्पादन की उपलब्धि की अर्वाध को आयात या उपाप्त की तारीख से पांच वर्ष में अर्वाधक अतिरिक्त अर्वाध के लिए बढ़ा सकता है";

(ग) शर्त 11 के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, अर्थात् :—

"(11) सहायक सीमाशुल्क आयुक्त, आयात और निर्यात नीति में अनुबद्ध और उसके द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट किए जाने वाली शर्तों और परिसीमाओं के अधीन रहते हुए उक्त एकक द्वारा आयात या उपाप्त किए गए माल अथवा उससे आंशिक रूप से संसाधित या विनिर्मित या पैकेज किए गए माल को अंतिम उत्पाद के विनिर्माण के लिए आवश्यक परीक्षण, मरम्मत, परिष्करण, संसाधन, उपदर्शन, फुटकर काम या किसी अन्य प्रक्रिया के लिए शुल्क का संदाय किए बिना एकक के बाहर ले जाना और तत्पश्चात् उसी एकक में वापस लाया जाना अनुज्ञात कर सकेगा अथवा फुटकर कार्यकर्ता के परिसरों में निर्यात के लिए बंधपत्र के अधीन शुल्क के संदाय के बिना उसका हटाया जाना अनुज्ञात कर सकेगा :

परंतु यह तब जब कि फुटकर कार्यकर्ता के परिसरों में ऐसी प्रक्रियाओं के दौरान जनित रही या स्क्रेप या अवशेषों को या तो एकक को वापस किया जाता है अथवा शुल्क का संदाय करके इस प्रकार निकामी किया जाता है जैसे कि उक्त रही या स्क्रेप या अवशेष उक्त एकक को निकामी किए जा रहे हैं";

(घ) शर्त 15 में, परंतुक के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(ग) ऐसे माल को जिसका आयात या उपाप्त किए जाने पर उपयोग एकक के भीतर इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर या सॉफ्टवेयर के विनिर्माण या विकास में किया जाता है और ऐसे हार्डवेयर या सॉफ्टवेयर का चाहे उसे भारत में बाहर निर्यात न भी किया जाए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय की अधिमूचना सं. 26/98-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (एन.टी.), तारीख 15 जुलाई, 1998 के अधीन नियत या रजिस्ट्रीकृत भांडागारों को अथवा आयात या निर्यात नीति के पैरा 9.10 के खंड (ड) में निर्दिष्ट अनुज्ञप्ति धारकों को, शुल्क का संदाय किए बिना निकामी किया जाना अनुज्ञात किया जाता है";

(ड) मारणी में,—

(i) क्रम सं. 12 और 12क के सामने स्तंभ (2) में "और उसके पुर्जे, ईंधन, म्नेहक और ऐसे संयंत्रों तथा सेटों के लिए अन्य उपयोग्य वस्तुएं भी हैं" शब्दों का लोप किया जाएगा;

(ii) क्रम सं. 12क और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

(1)

(2)

"12ख सहायक सीमाशुल्क या केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आयुक्त द्वारा अनुमोदित उपयुक्त क्रम संख्या 12 और 12क में के माल के लिए पुर्जे, ईंधन, म्नेहक और उपयोग्य वस्तुएं"।

5. 126/94-सीमाशुल्क,
तारीख 3 जून, 1994

उक्त अधिमूचना में,

(क) प्रारम्भिक पैरा में, "आयात किया जाए," शब्दों के स्थान पर "भारत में आयात किया जाए या किसी लोक भांडागार अथवा उक्त सीमाशुल्क अधिनियम की धारा 57 या धारा 58 के अधीन, यथास्थिति, नियुक्त या अनुज्ञप्त किसी प्राइवेट भांडागार से उपाप्त किया जाए।" शब्द और अंक रखे जाएंगे;

(ख) शर्त (3) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, अर्थात् :— "आयातकर्ता, उक्त माल का आयात करने अथवा उसे उपाप्त करने के समय, इस बात के लिए स्वयं को आवद्ध करते हुए ऐसे प्ररूप में

(1)

(2)

(3)

और ऐसी धन राशि के लिए जो सीमाशुल्क सहायक आयुक्त द्वारा विहित की जाए, एक बंधपत्र निम्नादित करता है कि वह :—

- (क) उसके एकक पर अधिकारिता रखने वाले उत्पाद-शुल्क सहायक आयुक्त से एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा जिसमें उक्त एकक में उक्त माल की प्राप्ति को प्रमाणित किया जाएगा जो इस प्रयोजन के लिए विहित अभिलेख में प्रविष्ट किया गया है।
- (ख) निर्यात बाध्यताओं को पूरा करेगा और इस अधिसूचना में तथा निर्यात और आयात नीति में वर्णित शर्तों को पूरा करेगा और मांग किए जाने पर उक्त माल पर उद्ग्रहणीय शुल्क के बराबर रकम का और उक्त शुल्क पर उक्त माल के शुल्क-मुक्त आयात और उपाप्त किए जाने की तारीख से ऐसे शुल्क के संदाय की तारीख तक 20 प्रतिशत वार्षिक की दर से ब्याज का संदाय करेगा, यदि—
- (i) पूंजी माल की दशा में, ऐसे माल के बारे में सीमाशुल्क सहायक आयुक्त के समाधान के लिए यह साबित नहीं किया जाता है कि उक्त माल उक्त एकक में उक्त माल के आयात या उपाप्त किए जाने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर अथवा ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर जो पांच वर्ष से अधिक की नहीं होगी और जो सीमाशुल्क सहायक आयुक्त, यह समाधान हो जाने पर कि उक्त माल का उक्त अवधि के भीतर उपरोक्त उपयोग न किए जाने के लिए पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे, स्थापित कर दिया गया है या उसका अन्यथा उपयोग किया गया है अथवा पुनः निर्यात किया गया है;
- (ii) पूंजी माल से भिन्न माल की दशा में, ऐसे माल के बारे में सीमाशुल्क सहायक आयुक्त के समाधान के लिए यह साबित नहीं किया जाता है कि उक्त माल का उसके निर्यात या उपाप्त किए जाने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर अथवा ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर जो सीमाशुल्क सहायक आयुक्त, यह समाधान हो जाने पर कि उक्त माल का उक्त अवधि के भीतर उपरोक्त उपयोग न किए जाने के लिए पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे, भारत के बाहर निर्यात के लिए माल के उत्पादन या पैकिंग के संबंध में उपयोग किया गया है या उसका पुनः निर्यात किया गया है;
- (iii) (क) यथाउत्पादित या पैक किए गए माल, और (ख) अप्रयुक्त माल (जिसके अन्तर्गत बार-बार उपयोग किए जाने के लिए उचित आधान भी हैं), की दशा में, जो ऐसे माल के निर्यात या उपाप्त किए जाने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर जो सीमाशुल्क सहायक आयुक्त, यह समाधान हो जाने पर कि उक्त माल का उक्त अवधि के भीतर निर्यात न किए जाने के लिए पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे, निर्यात नहीं किया गया है;
- (iv) शुल्क-मुक्त आयातित या उपाप्त की गई कच्ची सामग्री, संघटकों, पुर्जों या उपभोग्य माल (पूंजी माल से भिन्न) की दशा में, उक्त एकक, ऐसे माल के आयात और उपाप्त के एक वर्ष के भीतर अथवा ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर जो एक वर्ष से अधिक की नहीं होगी तथा जो सीमाशुल्क सहायक आयुक्त, यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा न करने के लिए पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे निर्यात की प्रतिशतता के रूप में शुद्ध विदेशी मुद्रा उपार्जन (एन एफ ई पी) और निर्यात अनुपालन (ई पी), जैसा कि निर्यात और आयात नीति की परिशिष्ट 1 में विनिर्दिष्ट है, पूरा करने में असफल रहता है:

परन्तु सीमाशुल्क आयुक्त निर्यात की प्रतिशतता के रूप में शुद्ध विदेशी मुद्रा या निर्यात अनुपालन पूरा करने के लिए उक्त अवधि को ऐसी और अवधि के लिए विस्तारित कर सकेगा जो ऐसे आयात या उपाप्त किए जाने की तारीख से पांच वर्ष से अधिक की नहीं होगी;''

- (क) उपाबंध 2 में मद (7) के पश्चात् निम्नलिखित मद अंतः स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—
- “(8) सीमाशुल्क टैरिफ के विभिन्न अध्यायों के अन्तर्गत आने वाली प्रसंस्कृत सब्जियां और फल, मांस और खाने योग्य मांस के छीछड़े।”

(1)	(2)	(3)
6. 133/94-सीमाशुल्क, तारीख 22 जून, 1994	उक्त अधिसूचना में,	(क) खंड (घ) के बाद के पैरा में,
		(i) "भारत में आयात किया जाए" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—
		"भारत में आयात किया जाए या किसी लोक भांडागार अथवा उक्त सीमाशुल्क अधिनियम की धारा 57 या धारा 58 के अधीन, यथास्थिति नियुक्त या अनुज्ञप्त किसी भांडागार से उपाप्त किया जाए"
		(ii) खंड (ख) में, "भारत के बाहर निर्यात के लिए वस्तुओं के उत्पादन विनिर्माण या पैकेजिंग के संबंध में उपयोग के लिए, या" शब्दों के स्थान पर "भारत के बाहर निर्यात के लिए वस्तुओं के उत्पादन, विनिर्माण या पैकेजिंग के संबंध में उपयोग के लिए, या भारत के बाहर सेवाओं के निर्यात के लिए" शब्द रखे जाएंगे।
		(ख) शर्त (3) में, खंड (ii) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतः स्थापित किया जाएगा अर्थात् :—
		"(iii) निर्यात बाध्यताओं को पूरा करने और इस अधिसूचना में तथा निर्यात और आयात नीति में वर्णित शर्तों को पूरा करने तथा मांग किए जाने पर उक्त माल पर उद्ग्रहणीय शुल्क के बराबर रकम का और उक्त शुल्क पर उक्त माल के शुल्क मुक्त आयात या उपाप्त किए जाने की तारीख से ऐसे शुल्क के संदाय तक 20 प्रतिशत वार्षिक की दर से ब्याज का संदाय करने के लिए स्वयं को आबद्ध करते हुए एक बंधपत्र निष्पादित करेगा, यदि—
		(i) पूंजी माल की दशा में, ऐसे माल के बारे में सीमाशुल्क सहायक आयुक्त के समाधान के लिए यह साबित नहीं किया जाता है कि उक्त माल, उक्त माल के आयात या उपाप्त किए जाने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर अथवा ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर, जो पांच वर्ष से अधिक की नहीं होगी और जिसे सीमाशुल्क सहायक आयुक्त, यह समाधान हो जाने पर कि उक्त माल का उक्त अवधि के भीतर उपरोक्त उपयोग न किए जाने के लिए पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करें, उक्त जोन के अन्तर्गत स्थापित किया गया है या उसका अन्यथा उपयोग किया गया है या पुनः निर्यात नहीं किया गया;
		(ii) पूंजी माल से भिन्न माल की दशा में, ऐसे माल के बारे में सीमाशुल्क सहायक आयुक्त के समाधान के लिए यह साबित नहीं किया जाता है कि उक्त माल का उसके आयात या उपाप्त किए जाने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर अथवा ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर, जो सीमाशुल्क सहायक आयुक्त, यह समाधान हो जाने पर कि उक्त माल का उक्त अवधि के भीतर उपरोक्त उपयोग न किए जाने के लिए पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करें, भारत के बाहर निर्यात के लिए माल के उत्पादन या पैकिंग के संबंध में उपयोग किया गया है, या उसका पुनः निर्यात किया गया है;
		(iii) (क) उत्पादित या पैक किए गए माल, और
		(ख) अप्रयुक्त माल (जिसके अन्तर्गत बार-बार उपयोग किए जाने के लिए उपयुक्त खाली शंकु, बोक्स और आधान भी हैं, यदि कोई हो,)
		की दशा में, जो ऐसे माल के आयात या उपाप्त किए जाने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर अथवा ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर भारत में बाहर निर्यात नहीं किया गया है जो सीमाशुल्क सहायक आयुक्त, यह समाधान हो जाने पर कि उक्त माल का उक्त अवधि के भीतर निर्यात न किए जाने के लिए पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करें;"
		(iv) शुल्क-मुक्त आयातित या उपाप्त की गई कच्ची सामग्री, मंचटकों, पूर्ण या उपभोग्य माल (पूंजी माल से भिन्न) की दशा में, उक्त एकक निर्यात और आयात नीति की परिशिष्ट 1 में यथाविनिर्दिष्ट निर्यात की प्रतिशतता के रूप में शुद्ध विदेशी मुद्रा उपार्जन (एन एफ ई पी) और निर्यात अनुपालन (ई पी) ऐसे माल के आयात या उपाप्त किए जाने के एक वर्ष के भीतर अथवा ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर, जो एक वर्ष से अधिक की नहीं होगी, जो सीमाशुल्क सहायक आयुक्त, यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करने के लिए पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करें, पूरा करने में असफल रहता है;

(1)

(2)

(3)

परन्तु सीमाशुल्क आयुक्त निर्यात प्रतिशतता के रूप में शुद्ध विदेशी मुद्रा उपाजन (एन एफ ई पी) या निर्यात अनुपालन (ई पी) को पूरा करने के लिए उक्त अवधि को ऐसी अवधि के लिए विस्तारित कर सकेगा जो आयात या उपाप्त किए जाने की तारीख से पांच वर्ष से अधिक की नहीं होगी;"

(ग) शर्त (6) में, खंड (iii) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(iii) उक्त माल या उक्त एकक में भागतः प्रसंस्कृत या पैक किए गए माल को जौन से बाहर शुल्क का संदाय किए बिना अंतिम उत्पाद के विनिर्माण के लिए परीक्षण, मरम्मत, शोधन प्रसंस्करण, प्रदर्शन, कार्य या किसी अन्य फुटकर प्रसंस्करण के लिए और उसके पश्चात् उक्त एकक में वापस लाए जाने के लिए बाहर ले जाया जाता है अथवा फुटकर कर्मकार के परिमर्ग से निर्यात के लिए बंधपत्र के अधीन शुल्क का संदाय किए बिना उसे हटाया जाता है :

परन्तु फुटकर कर्मकार के परिमर्ग पर ऐसे प्रसंस्करणों के दौरान उत्पादित अवशिष्ट अथवा स्क्रेप अथवा अपशिष्ट या तो उक्त एकक को लौटाया जाता है या उसकी शुल्क के संदाय पर ऐसे निकासी की जाती है मानो उक्त अपशिष्ट, स्क्रेप या अवशिष्ट की उक्त एकक द्वारा ही निकासी की गई हो;"

(घ) पैरा 3 में, "ऐसी वस्तुओं पर, मानो उनका उस रूप में आयात किया गया हो, उद्ग्रहणीय शुल्क के बराबर रकम का संदाय किए जाने पर" शब्दों के स्थान पर, "ऐसी वस्तुओं पर, मानो उनका उस रूप में आयात किया गया हो, उद्ग्रहणीय शुल्क के बराबर रकम का संदाय किए जाने पर अथवा जहां ऐसी वस्तुएं भारत सरकार के वित्त मंत्रालय की तारीख 15 जुलाई, 1998 की अधिसूचना संख्या 26/98-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क-(एन.टी.) के अधीन नियुक्त या रजिस्ट्रीकृत भांडागारों के लिए निकासी की जाती है अथवा निर्यात और आयात नीति के पैरा 9.10 के खंड (ड) में निर्दिष्ट अनुज्ञप्तिधारकों को शुल्क का संदाय किए बिना निकासी की जाती है", शब्द और अंक रखे जाएंगे;

(ङ) उपाबंध 1 में,

(i) क्रम सं. 3 और 3क के सामने "माल का विवरण" स्तंभ में से "और ऐसे संयंत्रों या मेटों के लिए पुर्जे, ईंधन, स्नेहक और अन्य उपभोग्य पदार्थ" शब्दों का लोप किया जाएगा;

(ii) क्रम सं. 3क और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"3कक. सीमाशुल्क अथवा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक आयुक्त द्वारा यथा अनुमोदित उपरोक्त क्रम सं. 3 और 3क के माल के लिए पुर्जे, ईंधन, स्नेहक और अन्य उपभोग्य पदार्थ"

(iii) क्रम सं. 3ख और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

"3ख. सीमाशुल्क अथवा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक आयुक्त द्वारा अनुमोदित कपड़ा एककों में पयुक्त बायलरो के लिए अपेक्षित भट्टी का तेल"

7. 196/94-सीमाशुल्क
तारीख 8 दिसम्बर, 1994

उक्त अधिसूचना में,

(क) आंशिक पैरा में, "एक्वाकाल्वर फार्म में उपयोग के लिए" और "भारत में आयात किया जाए" शब्दों के स्थान पर क्रमशः "एक्वाकाल्वर फार्म में उपयोग के लिए" "भारत में आयात किया जाए या उक्त सीमाशुल्क अधिनियम, की धारा 57 या धारा 58 के अधीन, यथास्थिति, नियत या अनुज्ञप्त सार्वजनिक भांडागार या प्राइवेट भांडागार से उपाप्त किया जाए" शब्द रखे जाएंगे ।

(ख) शर्त (2) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा. अर्थात् :—

"(2) आयातकर्ता, उक्त माल का आयात करने या उसे उपाप्त करने के समय, एक बंधपत्र, स्वयं को निम्नवत आबद्ध करते हुए, ऐसे परूप में और ऐसी राशि के लिए जो सहायक सीमाशुल्क आयुक्त द्वारा विहित किए जाए, निष्पादित करता है ।"

(क) एकक में उक्त माल की प्राप्ति प्रमाणित करते हुए और इस पयोजन के लिए विहित रिकार्ड में माल की प्रविष्टि कर ली गई है, यह प्रमाणित करते हुए, उसके एकक पर अधिभारिता रखने वाले, सहायक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त से एक पमाणपत्र पस्तुत करता है

(1) (2)

(3)

(ख) आयात बाध्यताएं पूरी करता है और अधिसूचना में तथा भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा समय-समय पर यथामंशोधित अधिसूचना सं. 1/1997—2002 तारीख, 31 मार्च, 1997 के अधीन प्रकाशित निर्यात, आयात नीति, 4 अप्रैल, 1997-31 मार्च, 2002 (जिसे इसमें इसके पश्चात् निर्यात आयात नीति कहा गया है) में अनुबद्ध शर्तों का अनुपालन करता है और मांग पर, माल पर उद्ग्रहणीय शुल्क और उक्त माल के आयात या उपाप्त किए जाने की तारीख ऐसे शुल्क की संदाय की तारीख तक उक्त शुल्क पर 20% प्रतिवर्ष की दर से व्याज के तुल्य रकम का संदाय करता है, यदि—

(i) पूंजीगत की दशा में, ऐसा माल, सहायक सीमाशुल्क आयुक्त के समाधानप्रद रूप में, एकक के भीतर संस्थापित या अन्यथा प्रयुक्त कर लिया गया या उसके आयात या उपाप्ति की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर पुनः निर्यात जो पांच वर्ष से अधिक नहीं होगी ऐसा कि सहायक सीमाशुल्क आयुक्त, अपना यह समाधान होने पर कि उक्त अवधि के भीतर यथापूर्वोक्त उनका उपयोग न किए जाने का पर्याप्त कारण है, साबित नहीं होता है, अनुज्ञात कर सकेगा;

(ii) पूंजी माल से भिन्न माल की दशा में, ऐसा माल सहायक सीमाशुल्क आयुक्त के समाधानप्रद रूप में, आयात या उसकी उपाप्ति की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर, या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर जैसा कि सहायक सीमा शुल्क आयुक्त, अपना यह समाधान होने पर कि यथापूर्वोक्त उनका उपयोग न किए जाने के पर्याप्त कारण है, उत्पादन या भारत से बाहर निर्यात के लिए माल की पैकेजिंग के संबंध में प्रयोग कर लिए गए या घरेलू उपयोग के लिए पुनः निर्यातित या निर्यातित किए गए साबित नहीं होते हैं, अनुज्ञात कर सकेगा।

(iii) निम्नलिखित की दशा में,—

(क) उत्पादित या पैक किए गए माल ऐसे माल जो भारत से बाहर निर्यात किए गए हैं, और

(ख) अप्रयुक्त माल (जिसके अन्तर्गत पुनः प्रयोग के लिए उपयुक्त आधान भी है जो निर्यात नहीं किए गए हैं या घरेलू उपभोग के लिए निकाले नहीं गए हैं)

ऐसे माल के आयात या उपाप्ति की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर, जैसा कि सहायक सीमा शुल्क आयुक्त, अपना यह समाधान होने पर कि उक्त अवधि के भीतर ऐसा माल निर्यात न करने के लिए पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात कर सकेगा

(1) शुल्क मुक्त आयातित या उपाप्त कच्चे माल, संघटकों अतिरिक्त पुर्जों और उपभोग्य माल (पूंजी माल से भिन्न) की दशा में, एकक, ऐसे माल के आयात या उपाप्ति के 1 वर्ष के भीतर या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर, जो एक वर्ष से अधिक नहीं होगी, जैसा कि सहायक सीमा शुल्क आयुक्त, अपना यह समाधान होने पर कि उसके लिए पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात कर सकेगा उक्त निर्यात और आयात नीति के परिशिष्ट 1 में यथा विनिर्दिष्ट निर्यात प्रतिशत और निर्यात निष्पादन के रूप में शुद्ध विदेशी मुद्रा उपाजन अभिप्राप्त करने में असफल रहता है;

परन्तु, सीमा शुल्क आयुक्त निर्यात प्रतिशत या निर्यात निष्पादन के रूप में शुद्ध विदेशी मुद्रा की अभिप्राप्ति के लिए ऐसी अवधि जो आयात या उपाप्ति की तारीख से और अवधि के लिए, जो 5 वर्ष से अनधिक हो बढ़ा सकेगा।

(ग) शर्त (5) में, "भारत सरकार द्वारा वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. 1/1997—2002 तारीख 31 मार्च, 1997 (जिसे इसमें इसके पश्चात् निर्यात आयात नीति कहा गया है) को प्रकाशित 1 अप्रैल, 1997-31 मार्च, 2002" अंकों, शब्दों, कोष्ठकों और अक्षरों का लोप किया जाएगा।

8. 93/97 सीमा-शुल्क
तारीख 3 जून, 1997

उक्त अधिसूचना में,—

(क) आरंभिक पैरा में "भारत से बाहर निर्यात हेतु वस्तुओं के विनिर्माण के लिए अथवा भारत से बाहर माल अथवा सेवाओं के निर्यात के लिए उत्पादन अथवा पैकेजिंग अथवा उजरती कार्य के संबंध में, प्रयुक्त किए जाने हेतु आयात किया जाए" शब्दों के स्थान पर "भारत से बाहर निर्यात हेतु वस्तुओं के विनिर्माण में प्रयोजन के लिए अथवा भारत से बाहर माल अथवा सेवाओं के निर्यात के लिए उत्पाद और पैकेजिंग अथवा उजरती कार्य के संबंध में प्रयुक्त किए जाने हेतु आयात

(1)

(2)

(3)

किया जाए अथवा यथास्थिति, उक्त सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 57 या धारा 58 के अधीन नियुक्त या अनुज्ञात किसी सार्वजनिक भांडागार या प्राइवेट भांडागार से उपाप्त किया जाए" शब्द रखे जाएंगे।

- (ख) शर्त (6) में, "और माल पर उद्ग्रहणीय शुल्क में" शब्दों से आरंभ होने वाले और "के संबंध में प्रयुक्त नहीं किया गया है" शब्दों से समाप्त होने वाले भाग के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

"और माल पर उद्ग्रहणीय शुल्क के और उक्त माल के शुल्क मुक्त आयात या उपाप्ति की तारीख से उक्त शुल्क पर 20% प्रतिवर्ष की दर पर ब्याज के बराबर राशि मांग करने पर अदा करता है, यदि—

- (i) पूंजी माल की दशा में, ऐसा माल सहायक सीमाशुल्क आयुक्त के समाधानप्रद रूप में बंधित परिसरों के भीतर संस्थापित या अथवा प्रयुक्त कर लिया गया या उसके आयात या उपाप्ति की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर, जो पांच वर्ष से अधिक नहीं होगी जैसा कि सहायक सीमाशुल्क आयुक्त अपना यह समाधान होने पर कि उक्त अवधि के भीतर यथापूर्वोक्त उनका उपयोग न किए जाने के लिए पर्याप्त कारण है; साबित नहीं होता है, अनुज्ञात कर सकेगा।
- (ii) पूंजी माल से भिन्न माल की दशा में, ऐसा सहायक सीमाशुल्क आयुक्त के समाधानप्रद रूप में, आयात या उसकी उपाप्ति की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर, जैसा कि सहायक सीमाशुल्क आयुक्त अपना यह समाधान होने पर कि यथापूर्वोक्त उनका प्रयोग न किए जाने के पर्याप्त कारण हैं, उत्पादन या भारत से बाहर निर्यात के लिए भाग की पैकेजिंग के संबंध में प्रयोग कर लिए गए या घरेलू उपभोग के लिए पुनः निर्धारित या निकासी किए गए साबित नहीं होते हैं, अनुज्ञात कर सकेगा।
- (iii) निम्नलिखित की दशा में :—
 - (क) उत्पादित या पैक किए गए माल ऐसे माल जो भारत से बाहर निर्यात नहीं किए गए हैं; और
 - (ख) अप्रयुक्त माल जिसके अन्तर्गत पुनः प्रयोग के लिए उपयुक्त खाली कोन बाबिन या आधान, यदि कोई हो, भी है, जो निर्यात नहीं किए गए हैं या घरेलू उपभोग के लिए निकाले नहीं गए हैं।

ऐसे माल के आयात या उपाप्ति की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर, जैसा कि सहायक सीमाशुल्क आयुक्त, अपना यह समाधान होने पर उक्त अवधि के भीतर ऐसा माल निर्यात न करने के लिए पर्याप्त कारण हैं; अनुज्ञात कर सकेगा।

- (iv) शुल्क मुक्त आयातित या उपाप्त कच्चे माल संघटकों, अतिरिक्त पुर्जों और उपभोग्य माल (पूंजी माल से भिन्न) की दशा में, एकक, ऐसे माल के आयात या उपाप्ति के एक वर्ष के भीतर या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर, जो एक वर्ष से अधिक नहीं होगी, जैसा कि सहायक सीमाशुल्क आयुक्त अपना यह समाधान होने पर उसके लिए पर्याप्त कारण हैं, अनुज्ञात कर सकेगा, उक्त निर्यात या आयात नीति के परिशिष्ट 1, में यथाविनिर्दिष्ट निर्यात प्रतिशत और निर्यात निष्पादन के रूप में शुद्ध विदेशी मुद्रा उपार्जन अभिप्राप्त करने में असफल रहता है :

परन्तु सीमाशुल्क आयुक्त निर्यात प्रतिशत या निर्यात निष्पादन के रूप में शुद्ध विदेशी मुद्रा की अभिप्राप्ति के लिए ऐसी अवधि को आयात या उपाप्ति की तारीख से और अवधि के लिए, जो पांच वर्ष से अधिक हो, कर सकेगा।"

- (ग) शर्त (7) में अन्त में निम्नलिखित जोड़ा जाएगा; अर्थात् :—

"या जहां ऐसी वस्तुएं भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना संख्या 26/98 केन्द्रीय उत्पादशुल्क (एन.टी.) तारीख 15 जुलाई, 1998 के अधीन नियत या रजिस्ट्रीकृत भांडागारों को दी जाती है या उक्त निर्यात आयात नीति के पैरा 9 10 के खंड (ड) में निर्दिष्ट अनुज्ञाति धारकों को शुल्क का संदाय किए बिना दी जाती है।"

- (घ) शर्त (8) के खंड (i) में,

"ऐसी शर्तों और परिमीमाओं के अधीन रहते हुए, जो इस निमित्त उसके द्वारा विनिर्दिष्ट की जाएं" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द रखे जाएंगे, अर्थात् :—

(1)

(2)

(3)

"अथवा उजरती कार्य करने वाले के परिसर के निर्यात के लिए बंधपत्र के अधीन शुल्क का संदाय किए बिना, ऐसी शर्तों और परिसीमाओं के अधीन रहते हुए, जो इस निमित्त उसके द्वारा विनिर्दिष्ट की जाएं, हटाई जाती है :

परन्तु उजरती कार्य करने वाले के परिसर में ऐसी प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न हुए, स्क्रेप, अपशिष्ट और अवशेष या तो एकक को वापस लौटाए जाने हैं या शुल्क के संदाय पर इस प्रकार दिए जाने हैं मानो उचित स्क्रेप, अपशिष्ट या अवशेष उसी एकक द्वारा निकासी किए गए हों; "

(ड) सारणी में,

- (i) स्तंभ (2) में, क्रम संख्यांक 11 और 11क के सामने "और ऐसे संयंत्र और सेट के लिए उनके पुर्जे" शब्दों का लोप किया जाएगा।
- (ii) क्रम संख्यांक 11ख और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

1	2
	"11ख विकास आयुक्त की सिफारिश पर सहायक सीमाशुल्क आयुक्त द्वारा यथा अनुमोदित ऊपर 11 और 11क में विनिर्दिष्ट माल के लिए पुर्जे, ईंधन स्नेहक और उपयोग्य वस्तुएं,"
(iii)	स्तंभ 2 में, क्रम संख्यांक 12 के सामने, "सीमा शुल्क आयुक्त" शब्दों के स्थान पर "सहायक सीमाशुल्क आयुक्त या केन्द्रीय सीमा शुल्क आयुक्त" शब्द रखे जाएंगे।

[फा. सं. 305/18/99-एफ टी टी]

राजेन्द्र सिंह, अधर सचिव

- टिप्पण 1.— मूल अधिसूचना सं. 138/91-सीमाशुल्क तारीख 22 अक्टूबर, 1991 सा.का.नि. सं. 639(अ) तारीख 22 अक्टूबर, 1998 के अधीन जारी की गई थी और तारीख 27 अप्रैल, 1998 की सा.का.नि. सं. 219(अ) के अधीन जारी की गई अधिसूचना संख्या 12/98 सीमाशुल्क तारीख 27 अप्रैल, 1998 द्वारा पिछली बार इसका संशोधन किया गया था।
- 2 — मूल अधिसूचना सं. 140/91-सीमाशुल्क, तारीख 22 अक्टूबर, 1991 सा.का.नि. सं. 641(अ) के अधीन जारी की गई थी और तारीख 27 अप्रैल, 1998 की सा.का.नि. सं. 219(अ) के अधीन जारी की गई अधिसूचना सं. 12/98 सीमाशुल्क तारीख 27 अप्रैल, 1998 द्वारा पिछली बार इसका संशोधन किया गया था।
- 3.— मूल अधिसूचना सं. 95/93 सीमाशुल्क, तारीख 2 मार्च, 1993 सा.का.नि. सं. 254(अ) के अधीन जारी की गई थी और तारीख 26 जून, 1998 की सा.का.नि. सं. 362(अ) के अधीन जारी की गई अधिसूचना सं. 38/98 सीमाशुल्क तारीख 26 जून, 1998 द्वारा पिछली बार इसका संशोधन किया गया था।
- 4.— मूल अधिसूचना सं. 96/93-सीमाशुल्क, तारीख 2 मार्च, 1993 सा.का.नि. सं. 255(अ) तारीख 2 मार्च, 1993 के अधीन जारी की गई थी और तारीख 26 जून, 1998 की सा.का.नि. सं. 362(अ) के अधीन जारी की गई अधिसूचना सं. 38/98 सीमाशुल्क तारीख 26 जून, 1998 द्वारा पिछली बार इसका संशोधन किया गया था।
- 5.— मूल अधिसूचना सं. 126/94-सीमाशुल्क, तारीख 3 जून, 1994 सा.का.नि. सं. 488(अ) तारीख 3 जून, 1998 के अधीन जारी की गई थी और तारीख 26 जून, 1998 की सा.का.नि. सं. 362(अ) के अधीन जारी की गई अधिसूचना सं. 38/98 सीमाशुल्क तारीख 26 जून, 1998 द्वारा पिछली बार इसका संशोधन किया गया था।
- 6 — मूल अधिसूचना सं. 133/94-सीमाशुल्क, तारीख 22 जून, 1994 सा.का.नि. सं. 526(अ) तारीख 22 जून, 1994 के अधीन जारी की गई थी और तारीख 5 अगस्त, 1998 की सा.का.नि. सं. 475(अ) के अधीन जारी की गई अधिसूचना सं. 61/98 सीमाशुल्क, तारीख 5 अगस्त, 1998 द्वारा पिछली बार इसका संशोधन किया गया था।
- 7.— मूल अधिसूचना सं. 196/94-सीमाशुल्क, तारीख 8 दिसम्बर, 1994 सा.का.नि. सं. 856(अ) तारीख 8 दिसम्बर, 1998 के अधीन जारी की गई थी और तारीख 26 जून, 1998 की सा.का.नि. सं. 362(अ) के अधीन जारी की गई अधिसूचना सं. 38/98 सीमाशुल्क, तारीख 26 जून, 1998 के द्वारा पिछली बार इसका संशोधन किया गया था।
- 8 — मूल अधिसूचना सं. 53/97-सीमाशुल्क, तारीख 30 जून, 1997 सा.का.नि. सं. 302(अ) तारीख 3 जून, 1997 के अधीन जारी की गई थी और तारीख 3 अगस्त, 1998 की सा.का.नि. सं. 469(अ) के अधीन जारी की गई अधिसूचना सं. 59/98 सीमाशुल्क, तारीख 3 अगस्त, 1998 द्वारा पिछली बार इसका संशोधन किया गया था।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19 May, 1999

(No. 65/99-Customs)

G.S.R. 369(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs act, 1962 (52 of 1962), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby directs that each of the notifications of the Government of India in the Ministry of finance (Department of Revenue), specified in column (2) of the Table hereto annexed shall be amended or further amended, as the case may be, in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

S. No. Notification No. and date	Amendment
(1)	(2)
(1)	(3)
1. 138/91-Customs, dated the 22nd October, 1991.	<p>In the said notification,—</p> <p>(a) in the opening paragraph, for the words "when imported into India for the purpose of development", the words "when imported into India or procured from a Public Warehouse or a Private Warehouse appointed or licensed, as the case may be, under section 57 or section 58 of the said Customs Act, for the purpose of development" shall be substituted,</p> <p>(b) in condition (7), for the portion beginning with the words "duty leviable on the goods as are not" and ending with the words "development of software for export" the following shall be substituted, namely:—</p> <p>"duty leviable on the goods and interest at the rate of 20% per annum on the said duty from the date of importation or procurement of the said goods till the date of payment of such duty, if —</p> <p>(i) in the case of capital goods, such goods are not proved to the satisfaction of the Assistant Commissioner of Customs to have been installed or otherwise used within the bonded premises or re-exported within a period of one year from the date of importation or procurement thereof or within such extended period not exceeding five years as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them as above within the said period, allow;</p> <p>(ii) in the case of goods other than capital goods, such goods are not proved to the satisfaction of the Assistant Commissioner of Customs to have been used in connection with the production or packaging of goods for export out of India or re-exported or cleared for home consumption within a period of one year from the date of importation or procurement thereof or within such extended period as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them as above; allows;</p> <p>(iii) in the case of —</p> <p>(a) goods produced or packaged, such goods have not been exported out of India, and —</p> <p>(b) unused goods (including containers, suitable for repeated use) as have not been exported or cleared for home consumption, within a period of one year from the date of importation or procurement of such goods or within such extended period as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not exporting such goods within the said period, allow;</p> <p>(iv) in the case of raw materials, components, spares and consumables (other than capital goods) imported or procured duty free, the unit fails to achieve Net Foreign Exchange Earning as a Percentage of Exports (NFEP) and Export Performance (EP) as specified in Appendix-1 of the said Export and Import Policy, within</p>

(1)	(2)	(3)
		<p>one year of importation or procurement of such goods or within such extended period, not exceeding one year, as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause, allow :</p> <p>Provided that the Commissioner of Customs may extend the period for achievement of Net Foreign Exchange as a Percentage of Exports (NFEP) or Export Performance (EP) for further period not exceeding five years from the date of importation or procurement."</p>
2. 140/91-Customs, dated the 22nd October, 1991.	In the said notification,—	<p>(a) in the opening paragraph, for the words "when imported into India for the purpose of development", the words "when imported into India or procured from a Public Warehouse or a Private Warehouse appointed or licenced, as the case may be, under section 57 or section 58 of the said Customs Act, for the purpose of development" shall be substituted,</p> <p>(b) in condition (7), for the portion beginning with the words "duty leviable on the goods as are not" and ending with the words "development of software for export" the following shall be substituted, namely:—</p> <p>"duty leviable on the goods and interest at the rate of 20% per annum on the said duty from the date of importation or procurement of the said goods till the date of payment of such duty, if —</p> <p>(i) in the case of capital goods, such goods are not proved to the satisfaction of the Assistant Commissioner of Customs to have been installed or otherwise used within the bonded premises or re-exported within a period of one year from the date of importation or procurement thereof or within such extended period not exceeding five years as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them as above within the said period, allow;</p> <p>(ii) in the case of goods other than capital goods, such goods are not proved to the satisfaction of the Assistant Commissioner of Customs to have been used in connection with the production or packaging of goods for export out of India or re-exported or cleared for home consumption within a period of one year from the date of importation or procurement thereof or within such extended period as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them as above; allow;</p> <p>(iii) in the case of —</p> <p>(a) goods produced or packaged, such goods have not been exported out of India, and —</p> <p>(b) unused goods (including containers, suitable for repeated use) as have not been exported or cleared for home consumption, within a period of one year from the date of importation or procurement of such goods or within such extended period as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not exporting such goods within the said period, allow;</p> <p>(iv) in the case of raw materials, components, spares and consumables (other than capital goods) imported or procured duty free, the unit fails to achieve Net Foreign Exchange Earning as a Percentage of Exports (NFEP) and Export Performance (EP) as specified in Appendix-1 of the said Export and Import Policy, within one year of importation or procurement of such goods or within such extended period, not exceeding one year, as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause, allow:</p> <p>Provided that the Commissioner of Customs may extend the period for achievement of Net Foreign Exchange as a Percentage of Exports (NFEP) or Export Performance (EP) for further period not exceeding five years from the date of importation or procurement;"</p>

(1)	(2)	(3)
3.	95/93-Customs, dated the 2nd March, 1993.	<p data-bbox="550 275 821 300">In the said notification,—</p> <p data-bbox="550 317 1479 373">(a) in the opening paragraph, for the words “when imported” into India for the purposes of manufacture and development”, the words</p> <p data-bbox="595 390 1479 506">“when imported into India or procured from a Public Warehouse or a Private Warehouse appointed or licensed, as the case may be, under section 57 or section 58 of the said Customs Act, for the purposes of manufacture and development” shall be substituted;</p> <p data-bbox="550 522 1479 604">(b) in condition (8), for the portion beginning with the words “duty leviable on the goods as are not proved” and ending with the words “development of electronics hardware or software for export:”, the following shall be substituted, namely :—</p> <p data-bbox="595 621 1479 703">“duty leviable on the goods and interest at the rate of 20% per annum on the said duty from the date of duty free importation or procurement of the said goods till the date of payment of such duty, if—</p> <p data-bbox="595 720 1479 894">(i) in the case of capital goods, such goods are not proved to the satisfaction of the Assistant Commissioner of Customs to have been installed or otherwise used within the bonded premises or re-exported within a period of one year from the date of importation or procurement thereof or within such extended period not exceeding five years as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them as above within the said period, allow.</p> <p data-bbox="595 911 1479 1119">(ii) in the case of goods other than capital goods, such goods are not proved to the satisfaction of the Assistant Commissioner of Customs to have been used in connection with the production or packaging of goods for export out of India or re-exported within a period of one year from the date of importation or procurement thereof or within such extended period as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them as above within the said period, allow;</p> <p data-bbox="595 1136 821 1161">(iii) in the case of —</p> <p data-bbox="683 1178 1479 1234">(a) goods produced or packaged, such goods have not been exported out of India, and</p> <p data-bbox="683 1251 1479 1308">(b) unused goods (including container suitable for repeated use) as have not been exported,</p> <p data-bbox="595 1325 1479 1440">within a period of one year from the date of importation or procurement of such goods or within such extended period as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not exporting such goods within the said period, allow;</p> <p data-bbox="595 1457 1479 1665">(iv) in the case of raw materials, components, spares and consumables (other than capital goods) imported or procured duty free, the unit fails to achieve Net Foreign Exchange Earning as a Percentage of Exports (NFEP) and Export Performance (EP) as specified in Appendix-1 of the Export and Import Policy, within one year of importation or procurement of such goods or within such extended period, not exceeding one year, as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause, allow :</p> <p data-bbox="595 1682 1479 1797">Provided that the Commissioner of Customs may extend the period for achievement of Net Foreign Exchange as a Percentage of Exports (NFEP) or Export Performance (EP) for further period not exceeding five years from the date of importation or procurement.”;</p> <p data-bbox="550 1814 1361 1839">(c) for condition (ii), the following condition shall be substituted, namely :—</p> <p data-bbox="595 1856 1479 1957">“(ii) The Assistant Commissioner of Customs may, subject to such conditions and limitations as may be stipulated in the Export and Import Policy and those as may be specified by him in this behalf permit the goods imported or procured by the unit or goods partially processed or manufactured or packaged therefrom to be taken outside</p>

(1)	(2)	(3)
-----	-----	-----

the unit without payment of duty for the purposes of test, repairs, refining, processing, display, jobwork or any other process necessary for manufacture of final products and to be returned to the said unit thereafter or remove the same without payment of duty under bond for export from the jobworker's premises.

Provided that the waste or scrap or remnants generated during such processes at the jobworker's premises is either returned to the unit or is cleared on payment of duty as if the said waste or scrap or remnants have been cleared by the said unit;";

(d) in condition (15), after the proviso, the following clause shall be inserted, namely:—

"(c) goods which on importation or procurement are used for the manufacture or development of Electronics Hardware or Software within the unit and such hardware or software even if not exported out of India, are allowed to be cleared to the warehouses appointed or registered under notification of the Government of India in the Ministry of Finance number 26/98-Central Excise(NT), dated the 15th July, 1998, or cleared to the licence holders referred to in clause (e) of paragraph 9.10 of the Export and Import Policy, without payment of duty;";

(e) in the Table:—

(i) against Serial number 12 and 12A, in column (2), the words "and the spares, fuel, lubricants and other consumables for such plants and sets" shall be omitted;

(ii) after serial number 12A and the entries relating thereto the following shall be inserted, namely:—

(1)	(2)
"12B	Spares, fuel, lubricants and consumables for the goods at serial number 12 and 12A above as approved by the Assistant Commissioner of Customs or Central Excise".

4. 96/93-Customs, dated the 2nd March, 1993

In the said notification,—

(a) in the opening paragraph, for the words "when imported into India for the purposes of manufacture and development", the words "when imported into India or procured from a Public Warehouse or a Private Warehouse appointed or licensed, as the case may be, under section 57 or section 58 of the said Customs Act, for the purposes of manufacture and development" shall be substituted;

(b) in condition (8), for the portion beginning with the words "duty leviable on the goods as are not proved" and ending with the words "development of electronics hardware or software for export;"; the following shall be substituted, namely:—

"duty leviable on the goods and interest at the rate of 20% per annum on the said duty from the date of duty free importation or procurement of the said goods till the date of payment of such duty, if—

(i) in the case of capital goods, such goods are not proved to the satisfaction of the Assistant Commissioner of Customs to have been installed or otherwise used within the bonded premises or re-exported within a period of one year from the date of importation or procurement thereof or within such extended period not exceeding five years as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them as above within the said period, allow;

(ii) in the case of goods other than capital goods, such goods are not proved to the satisfaction of the Assistant Commissioner of Customs to have been used in connection with the production or packaging of goods for export out of India or re-exported within a period of one year from the date of importation or procurement thereof or within such extended period as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them as above within the said period, allow;

(iii) in the case of—

(a) goods produced or packaged, such goods have not been exported out of India, and

(1)

(2)

(3)

(b) unused goods (including container suitable for repeated use) as have not been exported,

within a period of one year from the date of importation, or procurement of such goods or within such extended period as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not exporting such goods within the said period, allow:

(iv) in the case of raw materials, components, spares and consumables (other than capital goods) imported or procured duty free, the unit fails to achieve Net Foreign Exchange Earning as a Percentage of Exports (NFEP) and Export Performance (EP) as specified in Appendix-1 of the Export and Import Policy, within one year of importation or procurement of such goods or within such extended period, not exceeding one year, as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause, allow :

Provided that the Commissioner of Customs may extend the period for achievement of Net Foreign Exchange as a Percentage of Exports (NFEP) or Export Performance (EP) for further period not exceeding five years from the date of importation or procurement;”

(c) for condition (11), the following condition shall be substituted, namely —

“(11) The Assistant Commissioner of Customs may, subject to such conditions and limitations as may be stipulated in the Export and Import Policy and those as may be specified by him in this behalf permit the goods imported or procured by the unit or goods partially processed or manufactured or packaged therefrom to be taken outside the unit without payment of duty for the purposes of test, repairs, refining, processing, display, jobwork or any other process necessary for manufacture of final products and to be returned to the said unit thereafter or remove the same without payment of duty under bond for export from the jobworker’s premises .

Provided that the waste or scrap or remnants generated during such processes at the jobworker’s premises is either returned to the unit or is cleared on payment of duty as if the said waste or scrap or remnant have been cleared by the said unit;”

(d) in condition (15), after the proviso, the following clause shall be inserted, namely :—

“(c) goods which on importation or procurement are used for the manufacture or development of Electronics Hardware or Software, within the unit and such hardware or software even if not exported out of India, are allowed to be cleared to the warehouses appointed or registered under notification of the Government of India in the Ministry of Finance number 26/98-Central Excise (NT), dated the 15th July, 1998, or cleared to the licence holders referred to in clause (c) of paragraph 9-10 of the Export and Import Policy, without payment of duty;”

(e) in the Table—

(i) against serial numbers 12 and 12A, in column (2), the words “ and the spares, fuel, lubricants and other consumables for such plants and sets” shall be omitted.

(ii) after serial number 12A and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely :—

(1)	(2)
**12B	Spares, fuel, lubricants and consumables for the goods at serial number 12 and 12A above as approved by the Assistant Commissioner of Customs or Central Excise **

(1)	(2)	(3)
5. 126/94-Customs, dated the 3rd June, 1994	In the said notification,—	<p>(a) in the opening paragraph for the words “when imported into India, for the production or manufacture of articles”, the words “when imported into India, or procured from a Public Warehouse or a Private Warehouse appointed or licensed, as the case may be, under section 57 or section 58 of the said Customs Act, for the production or manufacture of articles”, shall be substituted;</p> <p>(b) for condition (3) the following shall be substituted, namely :—</p> <p>“The importer at the time of import or procurement of said goods executes a bond in such form and for such sum as may be prescribed by the Assistant Commissioner of Customs binding himself —</p> <p>(a) to produce a certificate from the Assistant Commissioner of Central Excise, having jurisdiction over his unit, certifying receipt of the said goods in the unit as having been entered in the records prescribed for this purpose.</p> <p>(b) to fulfil the export Obligation and comply with the conditions stipulated in this notification and Export and Import Policy, and to pay on demand an amount equal to the duty leviable on the goods and interest at the rate of 20% per annum on the said duty from the date of duty free importation or procurement of the said goods till the date of payment of such duty, if—</p> <p>(i) in the case of capital goods, such goods are not proved to the satisfaction of the Assistant Commissioner of Customs to have been installed or otherwise used within the unit or re-exported within a period of one year from the date of importation or procurement thereof or within such extended period not exceeding five years as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them as above within the said period, allow;</p> <p>(ii) in the case of goods other than capital goods, such goods are not proved to the satisfaction of the Assistant Commissioner of Customs to have been used in connection with the production or packaging of goods for export out of India or re-exported within a period of one year from the date of importation or procurement thereof or within such extended period as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them as above within the said period, allow;</p> <p>(iii) in the case of—</p> <p>(a) goods as produced or packaged such goods have not been exported out of India, and</p> <p>(b) unused goods (including containers suitable for repeated use) as have not been exported,</p> <p>within a period of one year from the date of importation or procurement of such goods or within such extended period as the Assistant Commissioner of Customs may on being satisfied that there is sufficient cause for not exporting such goods within the said period, allow;</p> <p>(iv) in the case of raw materials, components, spares and consumables (other than capital goods) imported or procured duty free, the unit fails to achieve Net Foreign Exchange Earning as a Percentage of Exports (NFEP) and Export Performance (EP) as specified in Appendix-I of the Export and Import Policy, within one year of importation or procurement of such goods or within such extended period, not exceeding one year, as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause, allow :</p>

Provided that the Commissioner of Customs may extend the period for achievement of Net Foreign Exchange as a Percentage of Exports (NFEP) or Export Performance (EP) for further period not exceeding five years from the date of importation or procurement,”;

(1)	(2)	(3)
		<p>(c) In Annexure II, after item 7, the following item shall be inserted, namely :—</p> <p>“8. Processed vegetables and fruits, meat and edible meat offal falling under various chapters of the Customs Tariff.”</p>
6.	133/94-Customs, dated the 22nd June, 1994.	<p>In the said notification, —</p> <p>(a) in the opening paragraph,</p> <p>(i) for the words “when imported into India” the following shall be substituted, namely :—</p> <p>“when imported into India or procured from a Public Warehouse or a Private Warehouse appointed or licensed, as the case may be, under section 57 or section 58 of the said Customs Act —”</p> <p>(ii) in clause (b), for the words “for export out of India, or,” the words “for export out of India, or for export of services out of India, or” shall be substituted,</p> <p>(b) in condition (3), after clause (ii), the following clause shall be inserted, namely :—</p> <p>“(iii) to fulfil the Export Obligations and comply with the conditions stipulated in this notification and the Export and Import Policy and to pay on demand an amount equal to the duty as leviable on the goods and interest at the rate of 20% per annum on the said duty from the date of duty free importation or procurement of the said goods till the payment of such duty, if—</p> <p>(i) in the case of capital goods, such goods are not proved to the satisfaction of the Assistant Commissioner of Customs to have been installed or otherwise used within the zone or re-exported within a period of one year from the date of importation or procurement thereof or within such extended period not exceeding five years as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them as above within the said period, allow;</p> <p>(ii) in the case of goods other than capital goods, such goods are not proved to the satisfaction of the Assistant Commissioner of Customs to have been used in connection with the production or packaging of goods for export out of India or re-exported within a period of one year from the date of importation or procurement thereof or within such extended period as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them as above within the said period, allow;</p> <p>(iii) in the case of</p> <p>(a) goods produced or packaged, such goods have not been exported out of India, and</p> <p>(b) unused goods (including empty cones, bobbins or containers, if any, suitable for repeated use) as have not been exported,</p> <p>within a period of one year from the date of importation or procurement of such goods or within such extended period as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not exporting such goods within the said period, allow:”;</p> <p>(iv) in the case of raw materials, components, spares and consumables (other than capital goods) imported or procured duty free, the unit fails to achieve Net Foreign Exchange Earning as a Percentage of Exports (NFEP) and Export Performance (EP) as specified in Appendix-1 of the Export and Import Policy, within one year of importation or procurement of such goods or within such extended period, not exceeding one year, as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause, allow :</p> <p>Provided that the Commissioner of Customs may extend the period for achievement of Net Foreign Exchange as a Percentage of Exports (NFEP) or Export Performance (EP) for further period not exceeding five years from the date of importation or procurement.”;</p>

(1)	(2)	(3)
		<p>(c) in condition (6), after clause (iii), the following clause shall be inserted, namely :—</p> <p>“(iiiia) permit the said goods or goods partially processed or packaged in the unit to be taken outside the zone without payment of duty for the purpose of test, repairs, refining, processing, display, jobwork or any other process necessary for manufacture of final products and to be returned to the unit thereafter or remove the same without payment of duty under bond for export from jobworker’s premises :</p> <p>Provided that the waste or scrap or remnants generated during such processes at the jobworker’s premises is either returned to the unit or is cleared on payment of duty as if the said waste or scrap or remnants have been cleared by the said unit:”.</p> <p>(d) in the paragraph 3, for the words “customs duty leviable on such articles as if imported as such, . . . the words “customs duty leviable on such articles as if imported as such or where such articles are cleared to the warehouse appointed or registered under notification of Government of India in the Ministry of Finance number 26/98-Central Excise (NT), dated the 15th July, 1998 or cleared to the licence-holders referred to in clause (e) of paragraph 9-10 of the Export and Import Policy, without payment of duty . . . shall be substituted.</p> <p>(e) in Annexure I,</p> <p>(i) against serial numbers 3 and 3A, in the column “Description of Goods”, the words “and the spares, fuel, lubricants and other consumables for such plants and sets” shall be omitted;</p> <p>(ii) after serial number 3A and entries relating thereto, the following shall be inserted, namely :—</p> <p>“3AA. Spares, fuel, lubricants and consumables for the goods at serial number 3 and 3A above as approved by the Assistant Commissioner of Customs or Central Excise.”</p> <p>(iii) for the serial number 3B and entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—</p> <p>“3B. Furnace oil required for the boilers used in the textile units as approved by the Assistant Commissioner of Customs or Central Excise”</p>
7	196/94-Customs, dated the 8th December, 1994	<p>In the said notification,—</p> <p>(a) in the opening paragraph, for the words “when imported into India, for use in an aqua- culture farm” the words “when imported into India, or procured from a Public Warehouse or a Private Warehouse appointed or licensed, as the case may be under section 57 or section 58 of the said Customs Act, for use in an aqua-culture farm” shall be substituted.</p> <p>(b) for condition (2) the following shall be substituted, namely :—</p> <p>“(2) the importer at the time of import or procurement of the said goods, executes a bond in such a form and for such a sum as may be prescribed by the Assistant Commissioner of Customs binding himself—</p> <p>(a) to produce a Certificate from the Assistant Commissioner of Central Excise having jurisdiction over his unit certifying receipt of the said goods in the unit and goods having been entered in the record prescribed for this purpose;</p> <p>(b) to fulfil the export obligations and comply with the conditions stipulated in this notification and in the Export and Import Policy, 1 April, 1977—31 March 2002, published by the Government of India under the Ministry of Commerce Notification number 1/1997—2002 dated 31st March, 1997, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Export and Import Policy) and to pay on demand an amount equal to the duty leviable on the goods and interest at the rate of 20% per annum on the said duty from the date of importation or procurement of the said goods till the date of payment of such duty, if—</p> <p>(i) in the case of capital goods, such goods are not proved to the satisfaction of the Assistant Commissioner of Customs to have been installed or otherwise used within</p>

(1)	(2)	(3)
		<p>the unit or re-exported within a period of one year from the date of importation or procurement thereof or within such extended period not exceeding five years as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them as above within the said period, allow;</p> <p>(ii) in the case of goods other than capital goods, such goods are not proved to the satisfaction of the Assistant Commissioner of Customs to have been used in connection with the production or packaging of goods for export out of India or re-exported or cleared for home consumption within a period of one year from the date of importation or procurement thereof or within such extended period as Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them as above, allow;</p> <p>(iii) in the case of—</p> <p>(a) goods produced or packaged, such goods have not been taken exported out of India, and</p> <p>(b) unused goods (including containers, suitable for repeated use) as have not been exported or cleared for home consumption,</p> <p>within a period of one year from the date of importation or procurement of such goods or within such extended periods as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not exporting such goods within the said period, allow;</p> <p>(iv) in the case of raw materials, components, spares and consumables (other than capital goods) imported or procured duty free, the unit fails to achieve Net Foreign Exchange Earning as a Percentage of Export (NFEP) and Export Performance (EP) as specified in Appendix-1 of the Export and Import Policy, within one year of importation or procurement of such goods or within such extended period not exceeding one year as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause, allow;</p> <p>Provided that the Commissioner of Customs may, extend the period for achievement of Net Foreign Exchange as a Percentage of Exports (NFEP) or Export Performance (EP) for further period not exceeding five years from the date of importation or procurements;”</p> <p>(c) in condition (5), the figures, words, brackets and letters “1 April, 1997—31 March, 2002, published by the Government of India under the Ministry of Commerce Notification No. 1/1997—2002, dated 31st March, 1997 (hereinafter referred to as the Export and Import Policy)” shall be omitted.</p>
8.	53/97-Customs, dated the 3rd June, 1997	<p>In the said notification,—</p> <p>(a) in the opening paragraph, for the words “when imported into India, for the purpose of manufacturer of articles for export out of India”, the words “when imported into India, or procured from a Public Warehouse or a Private Warehouse appointed or licensed, as the case may be, under section 57 or section 58 of the said Customs Act, for the purpose of manufacture of articles for export out of India”, shall be substituted,</p> <p>(b) in condition (6), for the portion beginning with the words “duty leviable on the goods” and ending with the words “services out of India”, the following shall be substituted, namely :—</p> <p>“duty leviable on the goods and interest at the rate of 20% per annum on the said duty from the date of duty free importation or procurement of the said goods till the date of payment of such duty, if—</p> <p>(i) in the case of capital goods, such goods are not proved to the satisfaction of the Assistant Commissioner of Customs to have been found installed or otherwise used within the bonded premises or re-exported within a period of one year from the date of importation or procurement thereof or within such extended period</p>

(1)	(2)	(3)
-----	-----	-----

not exceeding five years as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them as above within the said period, allow:

- (ii) in the case of goods other than capital goods, such goods are not proved to the satisfaction of the Assistant Commissioner of Customs to have been used in connection with the production or packaging of goods for export out of India or re-exported or cleared for home consumption within a period of one year from the date of importation or procurement thereof or within such extended period as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them as above: allow:

(iii) in the case of —

- (a) goods produced or packaged such goods have not been exported out of India, and—

- (b) unused goods (including empty cones, bobbins or containers, if any, suitable for repeated use) as have not been exported or cleared for home consumption, within a period of one year from the date of importation or procurement of such goods or within such extended period as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not exporting such goods within the said period, allow:

- (iv) in the case of raw materials, components, spares and consumables (other than capital goods) imported or procured duty free, the unit fails to achieve Net Foreign Exchange Earning as a Percentage of Exports (NFEP) and Export Performance (EP) as specified in Appendix-1 of the said Export and Import Policy, within one year of importation or procurement of such goods or within such extended period, not exceeding one year, as the Assistant Commissioner of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause, allow :

Provided that the Commissioner of Customs may extend the period for achievement of Net Foreign Exchange as a percentage of Exports (NFEP) or Export Performance (EP) for further period not exceeding five years from the date of importation or procurement."

- (c) In condition (7) the following shall be added at the end, namely :—

"or where such articles are cleared to the warehouses appointed or registered under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue number 26/98—Central Excise (NT), dated the 15th July, 1998 or cleared to the licence holders referred to in clause (e) of paragraph 9.10 of the said Export and Import Policy, without payment of duty."

- (d) in condition (8), in clause (i) for the words "subject to such conditions and limitations as may be specified by him in this behalf" the following shall be substituted, namely :—

"or to be removed without payment of duty under bond for export from the jobworker's premises subject to such conditions and limitations as may be specified by him in this behalf :

Provided that the scrap, waste remnants generated during such process at the jobworker's premises is either returned to the unit or is cleared on payment of duty as if the said scrap, waste or remnants have been cleared by the same unit;"

- (e) in the Table,

- (i) against serial numbers 11 and 11A, in column (2), the words "and the spares for such plants and sets" shall be omitted;

(1)	(2)	(3)
		(ii) for serial number 11B and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—
(1)	(2)	
11B	Spare, fuel lubricants and consumables for goods specified at 11 and 11A above as approved by the Assistant Commissioner of Customs on the recommendation of the Development Commissioner	
	(iii) against serial number 12, in column (2), for the words "Commissioner of Customs" the words "Assistant Commissioner of Customs or Central Excise" shall be substituted.	

[F. No. 305/018/99-FTT]

RAJENDRA SINGH, Under Secy.

Notes :

- 1 The Principal notification No. 138/91-Customs, dated the 22nd October, 1991 was issued under G.S.R. No. 639 (E), dated the 22nd October, 1998 and was last amended by notification No. 12/98-Customs, dated the 27th April, 1998 issued under G.S.R. No. 219 (E), dated the 27th April, 1998.
- 2 The Principal notification No. 140/91-Customs, dated the 22nd October, 1991 was issued under G.S.R. No. 641 (E), and was last amended by notification No. 12/98-Customs, dated the 27th April, 1998 under G.S.R. No. 219 (E), dated the 27th April, 1998.
- 3 The Principal notification No. 95/93-Customs, dated the 2nd March, 1993 was issued under G.S.R. No. 254 (E), and was last amended by notification No. 38/98-Customs, dated the 26th June, 1998 under G.S.R. No. 362 (E), dated the 26th June, 1998.
- 4 The Principal notification No. 96/93-Customs, dated the 2nd March, 1993 was issued under G.S.R. No. 255 (E), dated the 2nd March, 1993 and was last amended by notification No. 38/98-Customs, dated the 26th June, 1998 issued under G.S.R. No. 362 (E), dated the 26th June, 1998.
- 5 The Principal notification No. 126/94-Customs, dated the 3rd June, 1994 was issued under G.S.R. No. 488 (E), dated the 3rd June, 1988 and was last amended by notification No. 38/98-Customs, dated the 26th June, 1998 issued under G.S.R. No. 362 (E), dated the 26th June, 1998.
- 6 The Principal notification No. 133/94-Customs, dated the 22nd June, 1994 was issued under G.S.R. No. 526 (E), dated the 22nd June, 1994 and was last amended by notification No. 61/98-Customs, dated the 5th August, 1998 issued under G.S.R. No. 475 (E), dated the 5th August, 1998.
- 7 The Principal notification No. 196/94-Customs, dated the 8th December, 1998 was issued under G.S.R. No. 856 (E), dated the 8th December, 1988 and was last amended by notification No. 38/98-Customs, dated the 26th June, 1998 issued under G.S.R. No. 362 (E), dated the 26th June, 1998.
- 8 The Principal notification No. 53/97-Customs, dated the 3rd June, 1997 was issued under G.S.R. No. 302 (E), dated the 3rd June, 1997 and was last amended by notification No. 59/98-Customs, dated the 3rd August, 1998 issued under G.S.R. No. 469 (E), dated the 3rd August, 1998.

